गेमचेंजरः सीआरपीएफ ने सुकमा में एक और एफओबी स्थापित किया जिससे पुराना व्यापारिक मार्ग पुनः बहाल हुआ।

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के द्वारा फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) की रणनीतिक स्थापना से न केवल माओवादी गतिविधियों में कमी आई है बल्कि स्थानीय निवासियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी गतिशीलता आई है। इसके कारण क्षेत्र में बहु-प्रतीक्षित विकास परियोजनाओं को गति मिली है।

2. सीआरपीएफ की 165 बटालियन और छत्तीसगढ़ पुलिस ने सुकमा (छत्तीसगढ़) के दुर्गम क्षेत्र में बेडरे फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस की स्थापना करके माओवादी उपस्थिति को समाप्त करने की प्रक्रिया में एक और मील का पत्थर जोड़ा है। जहां यह एफओबी जगरगुंडा में इमली बाजार को जिला मुख्यालय बीजापुर और दंतेवाड़ा से जोड़ने वाले पुराने व्यापारिक मार्ग को फिर से खोलने में प्रभावी रूप से मदद करेगा, वहीं यह फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस माओवादियों के ट्रांजिट कॉरिडोर को भी बंद करने का कार्य करेगा जिसका उपयोग माओवादी पश्चिम बस्तर और दक्षिण बस्तर के बीच आवाजाही के लिए किया करते हैं।

3. गौरतलब है कि कुंदर एफओबी की स्थापना हाल ही में 165 बटा सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस ने पिछले साल दिसंबर के मध्य में की थी। बेडरे एफओबी सिलगर से लगभग 5 किमी और कुंदर एफओबी और जगरगुंडा एफओबी से लगभग 10 किमी की दूरी पर स्थित है।

4. उपरोक्त एफओबी की स्थापना को ऐतिहासिक कहा जा सकता है क्योंकि 17 वर्षों के बाद यह माओवादियों की पकड़ से आजाद हुआ है और पुराने मार्ग को पुनः आवागमन के लिए खोलता है। यह मार्ग वर्ष 2006 तक माओवादियों का खतरा आसन्न होने तक पहले कभी जगरगुंडा-भारत के प्रमुख इमली बाजार से इमली और वन उपज के व्यापार की सुविधा प्रदान करता था। । इसके अतिरिक्त यह एफओबी माओवादी खतरे के डर को दूर करके विकासात्मक गतिविधियों के मार्ग को प्रशस्त कर रहा है।